अच्छा चरवाहा

achchā charwāhā

The Good Shepherd

by Bakhtullah

(Urdu—Hindi script)

© 2022 www.chashmamedia.org
published and printed by
Good Word, New Delhi

The title cover is a modified image of
drabbitod https://pixabay.com/images/id-6923627/.

Bible quotations are from UGV.

for enquiries or to request more copies:
askandanswer786@gmail.com

फ़हरिस्त

क्या मैं अच्छे चरवाहे का हूँ? 3

क्या मुझे अच्छे चरवाहे का सुकून है? 4

क्या मुझे अच्छे चरवाहे की तसल्ली है? 5

क्या मैं अच्छे चरवाहे का मेहमान हूँ? 6

ज़बूर 23 9

सर्दियों से पहले पहले अगर आप कश्मीर की वादियों में घूमेंगे तो एक अजीब मंज़र देखेंगे। पहाड़ों पर से हज़ारों भेड़ें भागती-दौड़ती उतरती नज़र आएँगी।

यह भेड़ें बेमक़सद तो नहीं भाग रही हैं। चरवाहे उनको हाँककर जम्मू की तरफ़ ले जा रहे हैं। ऐसे चरवाहे जो जानते हैं कि पीने का पानी कहाँ कहाँ मिलता है। मीठी मीठी घास कहाँ कहाँ होती है। इन चरवाहों को बहुत तजरिबा है। उनके साथ तेज़ तेज़ कुत्ते भी चलते हैं जो हर मोड़ पर उनकी मदद करते हैं। यों वह चलते चलते गल्लों को महफ़ूज़ रखते हैं। वह ध्यान देते हैं कि जानवर ठीक ठीक रास्ते पर रहते हैं। रास्ते में कुछ भेड़ें बच्चे भी जन्म देती हैं। गल्लाबान इन कमज़ोर बच्चों को उठाकर अपने साथ ले जाते हैं।

हम इनसान भी इस दुनिया में रहते हुए मुसाफ़िर हैं। हम नंगी हालत में पहुँचते हैं और नंगी हालत में कूच कर जाते हैं। हम भी भाग-दौड़ का शिकार रहते हैं। आख़िरी दम तक हम भेड़ों की तरह कभी इधर कभी उधर भटकते रहते हैं। कभी इस मैदान की घास पसंद करते हैं कभी

उसकी। लेकिन हम सब जानते हैं कि क़दम बक़दम हम मौत की तरफ़ बढ़ रहे हैं।

- **और फिर? मौत के बाद क्या होगा?**
- **क्या कोई चीज़ है जिससे हमारी ज़िंदगी पुरमानी और भरपूर हो जाए? जिससे हमें तसल्ली हो जाए कि हमारी ज़िंदगी का कोई मक़सद, कोई अच्छी मनज़िल है?**

भेड़ों की मिसाल लें।

- **क्या चीज़ है जो उनकी ज़िंदगी एक मक़सद, एक मनज़िल दिलाती है?**

  जवाब साफ़ है : चरवाहा। बिना चरवाहे के वह जंगली जानवरों और खाने-पीने की कमी से जल्द ही तबाह हो जाती हैं। चरवाहा ही उन्हें सही-सलामत रखता है।

दाऊद बादशाह ने एक ख़ूबसूरत गीत, एक ज़बूर लिखा जिसमें उसने एक अज़ीम चरवाहे की तस्वीर खींची। एक ऐसे चरवाहे की तस्वीर जो मुझे कभी नहीं छोड़ेगा। जो मेरे साथ चलकर मेरी हिफ़ाज़त करेगा। इस गीत में दाऊद मुझसे और आपसे कुछ सवाल भी पूछता है। सबसे अहम सवाल यह है :

क्या मैं अच्छे चरवाहे का हूँ?

दाऊद बादशाह ज़बूर में फ़रमाता है,

> रब मेरा चरवाहा है, मुझे कमी न होगी।

उस ज़माने में बादशाहों को चरवाहा कहा जाता था। चरवाहे इसलिए कि वह मुल्क की हिफ़ाज़त और देख-भाल करते थे। दाऊद तो बादशाह था लेकिन वह नहीं कहता कि मैं चरवाहा हूँ। नहीं, वह फ़रमाता है कि रब ही मेरा चरवाहा है। दाऊद तो नबी भी था। वह इस ज़बूर में उस हस्ती की तरफ़ इशारा कर रहा है, जो हज़ार साल बाद दुनिया में आएगा। उस सच्चे चरवाहे की तरफ़ जो ईसा अल-मसीह कहलाता है। जिसने अपने बारे में फ़रमाया,

> अच्छा चरवाहा मैं हूँ। अच्छा चरवाहा अपनी भेड़ों के लिए अपनी जान देता है। . . . मैं अपनी भेड़ों को जानता हूँ और वह मुझे जानती हैं। (इंजील, यूहन्ना 10:11,14)

यह कितनी अज़ीम बात है!

► **क्या मैं अच्छे चरवाहे का हूँ?**

दूसरा सवाल :

क्या मुझे अच्छे चरवाहे का सुकून है?

आगे दाऊद बादशाह फ़रमाता है,

> वह मुझे शादाब चरागाहों में चराता और पुरसुकून चश्मों के पास ले जाता है।

यह चरवाहा अपनी भेड़ों को रेगिस्तान में नहीं ले जाता जहाँ शायद ही थोड़ी-बहुत घास मिल जाए। नहीं, वह उन्हें वहाँ ले जाता है जहाँ हरी-भरी घास की कसरत है। जहाँ साफ़ शफ़्फ़ाफ़ पानी है। वह उन्हें ऐसी तेज़ नदियों के पास भी नहीं ले जाता जिनमें नाज़ुक जानवर गिरकर डूब जाएँगे। नहीं, वह उन्हें पुरसुकून चश्मों के पास ले जाता है। इसलिए दाऊद ख़ुशी से ललकारता है,

> वह मेरी जान को ताज़ादम करता और अपने नाम की ख़ातिर रास्ती की राहों पर मेरी क़ियादत करता है।

मैं सुकून की साँस ले सकता हूँ। ताज़ादम हो जाता हूँ। न सिर्फ़ यह बल्कि चरवाहा मुझे रास्ती की राहों पर ले जाता है। ऐसी राहों पर जो सच्ची हैं।

► **क्यों? इसलिए कि मैं बहुत अच्छा हूँ? कि मैं बहुत लायक़ और क़ाबिल हूँ?**

नहीं, वह तो जानता है कि हम गुनाहगार हैं, कि हमारी फ़ितरत गुनाह से टेढ़ी-मेढ़ी हो गई है। मोजिज़ा यह है कि वह अपने नाम

की ख़ातिर यह कुछ करता है। वही तो वफ़ादार और भला है। इसी बिना पर वह अपनी पुर-जलाल बुलंदियों से झुककर मुझे हरी-भरी चरागाह के पास ले जाता है। मैं अच्छा नहीं हूँ। लायक़ नहीं हूँ। लेकिन वह वफ़ादार है। भला है। जब वह देखता है कि मैं बेसहारा अपने हाथ उसकी तरफ़ फैलाता हूँ तो वह मेरी तरफ़ झुककर मेरी जान को ताज़ादम करता है।

मतलब यह नहीं कि तमाम फ़िकरें एकदम दूर हो जाएँगी। इस दुनिया में रहते हुए हम परेशानियों से घिरे रहेंगे। लेकिन जब हम अपने अच्छे चरवाहे की तरफ़ अपने हाथ फैलाते हैं तो वह हमें सुकून देता है। तीसरा सवाल :

क्या मुझे अच्छे चरवाहे की तसल्ली है?

► **जब गल्लाबान कश्मीर के पहाड़ी इलाक़ों में से गुज़रते हैं तो क्या यह सफ़र ख़तरनाक नहीं?**

ज़रूर ख़तरनाक होता है। रीछों और शेरों का सामना करना पड़ता है। दाऊद बादशाह यह ख़तरे जानता है। इसलिए कहता है,

> गो मैं तारीकतरीन वादी में से गुज़रूँ मैं मुसीबत से नहीं डरूँगा, क्योंकि तू मेरे साथ है, तेरी लाठी और तेरा असा मुझे तसल्ली देते हैं।

हर तरफ़ ख़तरे होते हैं। तारीकतरीन वादी में ख़तरा बढ़ जाता है क्योंकि ताक में बैठे दुश्मन का पता करना मुश्किल ही है। यही दाऊद बादशाह की अपनी ज़िंदगी का तजरिबा था।

हम कितनी बार इस तारीकतरीन वादी में फँस जाते हैं।

► **क्या उसमें होते वक़्त मुझे तसल्ली है कि अच्छा चरवाहा मेरे साथ चल रहा है?**

दाऊद बादशाह को यक़ीन है कि मुझे डर की ज़रूरत नहीं जब मैं इस अच्छे चरवाहे के क़रीब रहूँगा।

► **क्यों?**

उसकी लाठी और असा मुझे बचाए रखेंगे।

गल्लाबान अपनी लाठी से भेड़ों के दुश्मनों को भगा देता है। असा से वह भेड़ों की राहनुमाई करता है, उन्हें ठीक रास्ते पर लाता है, उन्हें घास, पानी और महफ़ूज़ जगह तक हाँककर ले जाता है।

यह ख़ाली और खोखली तसल्ली नहीं है। इस तसल्ली के पीछे चरवाहे की वफ़ादारी है।

► **क्या मुझे अच्छे चरवाहे की तसल्ली है?**

चौथा सवाल :

क्या मैं अच्छे चरवाहे का मेहमान हूँ?

ख़ुदावंद न सिर्फ़ चरवाहा है। वह अज़ीम मेज़बान भी है। दाऊद को उसकी ज़बरदस्त मेज़ पर बिठाया जाता है। वह फ़रमाता है,

> तू मेरे दुश्मनों के रूबरू मेरे सामने मेज़ बिछाकर मेरे सर को तेल से तरो-ताज़ा करता है। मेरा प्याला तेरी बरकत से छलक उठता है।

कितनी ख़ूबसूरत तस्वीर! ख़ुदावंद ने उसके सामने दस्तरख़ान बिछा दिया है। अब ध्यान दें : इस दस्तरख़ान के इर्दगिर्द भी ख़तरे मौजूद रहते हैं। दुश्मन ताक में बैठा है। लेकिन वह हमला नहीं कर पा रहा क्योंकि चरवाहा ही मेज़बान है। दुश्मन मेहमान को ज़मीन पर पटख़ देना चाहता है मगर वह बेबस है। वह दाँत पीसते हुए ग़ुस्से से लाल-पीला हो रहा है कि मेहमान की इज़्ज़त की जा रही है, कि उसका सर ख़ुशबूदार तेल से तरो-ताज़ा किया जा रहा है। मेहमान लज़ीज़ खाना खा खाकर सेर हो रहा है। अच्छे चरवाहे की बरकत से उसका प्याला छलक उठा है।
फिर दाऊद बादशाह एक और हैरानकुन बात फ़रमाता है :

> यक़ीनन भलाई और शफ़क़त उम्र भर मेरे साथ साथ रहेंगी।

इबरानी का सीधा मतलब यह है कि भलाई और शफ़क़त उसका पीछा करती रहेंगी, उसका ताक़्क़ुब करती रहेंगी। कितनी अज़ीम बात है! भलाई और शफ़क़त चरवाहे के ताक़तवर और तेज़ कुत्तों की तरह दाऊद बादशाह के साथ साथ चलती हैं और उसे कभी नहीं छोड़तीं। वह उसे सही रास्ते पर लाती रहती हैं। चाहे दाऊद बादशाह कहाँ भी चले वह उसे नहीं छोड़तीं। चाहे वह बीमार पड़ जाए बल्कि मर भी जाए वह उसके

साथ चलते चलते उसे आख़िर में उसके आक़ा और ख़ुदावंद के पास पहुँचा देंगी।

► **क्या मैं अच्छे चरवाहे का मेहमान हूँ?**

दाऊद का अच्छा चरवाहा है।

► **क्या वह आपका भी है? क्या आप उस पर भरोसा कर सकते हैं कि वह आपको अच्छी चरागाह तक ले सकता है?**

दाऊद बादशाह को इसका पक्का यक़ीन है। वह फ़रमाता है,

> और मैं जीते-जी रब के घर में सुकूनत करूँगा।

मतलब यह नहीं कि वह किसी मंदिर, मसजिद या चर्च में रहेगा। नहीं, मतलब है कि वह ख़ुदा के हुज़ूर रहेगा। वह उसका घरवाला रहेगा। उसे उसकी मेज़ की रिफ़ाक़त और क़ुरबत रहेगी। वह उसकी बरकतों से सेर रहेगा।

► **अज़ीज़ दोस्त, क्या आपको भी इसका तजरिबा हुआ है?**

एक ही रास्ता है, यह कि हम ख़ुदावंद ईसा मसीह को अपना आक़ा और मालिक मानें।

इसका मतलब यह नहीं कि हम मुसीबतों से घिरे नहीं रहेंगे। कि दुश्मन हमें ज़मीन पर पटख़ देने की कोशिश नहीं करेगा। लेकिन जब चरवाहा हमारे साथ हो तो वह हमें आख़िर में शादाब चरागाहों और पुरसुकून

चश्मों तक ले जाएगा। हाँ, वह हमें अपनी मेज़ पर बिठाकर अपनी बरकतों से मालामाल करेगा।

► **रहा यह सवाल : क्या मैं अच्छे चरवाहे का हूँ?**

ज़बूर 23

दाऊद का ज़बूर।

रब मेरा चरवाहा है, मुझे कमी न होगी।

वह मुझे शादाब चरागाहों में चराता और पुरसुकून चश्मों के पास ले जाता है।

वह मेरी जान को ताज़ादम करता और अपने नाम की ख़ातिर रास्ती की राहों पर मेरी क़ियादत करता है।

गो मैं तारीकतरीन वादी में से गुज़रूँ मैं मुसीबत से नहीं डरूँगा, क्योंकि तू मेरे साथ है, तेरी लाठी और तेरा असा मुझे तसल्ली देते हैं।

तू मेरे दुश्मनों के रूबरू मेरे सामने मेज़ बिछाकर मेरे सर को तेल से तरो-ताज़ा करता है।
मेरा प्याला तेरी बरकत से छलक उठता है।

यक़ीनन भलाई और शफ़क़त उम्र भर मेरे साथ साथ रहेंगी, और मैं जीते-जी रब के घर में सुकूनत करूँगा।